पाँचवाँ अध्याय

पुराने नियम की पुस्तकें

उत्तर १११

(ख) प्रभु यीशु पर विश्वास करने से।

पौलुस प्रेरित के पत्र

पौलुस ने १ तथा २ कुरिन्थियों उस कलीसिया को लिखा जिसे उसने कोरिन्थ में स्थापित किया था। यह पत्र कलीसिया की सिद्धान्तों और आचरणों से सम्बन्धित समस्याओं के विषय में है।

स्थिरता

बाइबल के कुछ अंश ३,५०० वर्ष पुराने हैं। जो नये हैं उन्हें भी लगभग १,९०० वर्ष बीत गये। इनके जीवित या बचे रहने का कारण यह है कि परमेश्वर को अपने वचन की चिन्ता है।

कार्य ५२

बाइबल की पुस्तकों को याद रखने का सरल उपाय उनका वर्गीकरण करना है। अपना हाथ अपनी कॉपी पर रख कर दिये गये चित्र के समान हाथ के चारों ओर पेन्सिल से अपने हाथ का रूपरेखा चित्र बना लें। इसमें पुराने नियम की पुस्तकों के पांच खंड के नाम लिखें।

प्रश्न ११२

पौलुस प्रेरित ने एक पत्र यानि रो·····को विश्वास द्वारा उद्धार के बारे में तथा कु·····को स्थानीय कलीसिया की समस्याओं के विषय दो पत्र लिखे।

प्रश्न १७३

हम यह देखते हैं कि परमेश्वर ने अपने वचन को सुरक्षित रखा है क्योंकि हम आज भी उस पुस्तक को प्रयोग करते है जो कि

(क) १,६०० से ३,५०० वर्ष पूर्व लिखी गई।

(ख) १,६०० से २,००० वर्ष पूर्व लिखी गई।

(ग) ४०० से ५०० वर्ष पूर्व लिखी गई।

पुराना नियम

५ व्यवस्था की पुस्तकें

१२ ऐतिहासिक पुस्तकें

५ काव्य की पुस्तकें

५ प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें

१२ सामान्य भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें

कुल पुस्तकें ३९ ।

उत्तर ११२

रोमियों

कुरिन्थियों

पौलुस प्रेरित के पत्र

गलतियों के नाम पत्र में वही सन्देश और सार है जो रोमियों में है--विश्वास द्वारा धार्मिक ठहराया जाना । इसमें इस बात पर बल डाला गया है कि भले कार्यों द्वारा उद्धार नहीं हो सकता ।

उत्तर १७३

(क) १,९०० से ३,५०० वर्ष पूर्व लिखी गई ।

स्थिरता

समय अधिकतर पुस्तकों का घोर शत्रु है । वे जल्दी ही पुरानी, अप्रचलित तथा अपनी प्रसिद्धि खो कर गायब हो जाती हैं, पर बाइबल पर यह बात लागू नहीं होती ।

कार्य ५३

आपकी बाइबल के शुरू ही में पुस्तकों का सूची क्रम दिया है। इनके वर्गीकरण के अनुसार रेखा खींच कर उनके खण्ड कर दें। यह करने के लिये अगले पृष्ठ पर बना नक्शा देखें और उसको अपने निर्देशन हेतु प्रयोग करें।

प्रश्न तथा कार्य ११३

गलतियों २:१६ पढ़े जो इस पत्र का मुख्य पद है। कार्य द्वारा नहीं बल्कि विश्वास द्वारा धार्मिक ठहराया जाना पौलुस प्रेरित के कौन से दो पत्रों का मुख्य भाव है ?

(क) रोमियों तथा गलतियों।

(ख) १ तथा २ कुरिन्थियों।

(ग) गलतियों तथा २ कुरिन्थियों।

प्रश्न १७४

सच्चाई यह है कि बाइबल, यद्यपि काफ़ी पुरानी हो गयी है, परन्तु इसमें २० वीं शताब्दी के मनुष्य की समस्याओं का समाधान उपलब्ध है और यह आज भी विश्व की सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तक है क्योंकि

(क) पुस्तकें समय के साथ और अधिक प्रसिद्ध हो जाती हैं।

(ख) बाइबल कभी पुरानी नहीं हो सकती, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है।

व्यवस्था	इतिहास	काव्य
उत्पत्ति निर्गमन लैव्यव्यवस्था गिनती व्यवस्था विवरण	यहोशू न्यायियों रूत १ तथा २ शमूएल १ तथा २ राजा १ तथा २ इतिहास एज्रा नहेम्याह एस्तेर	अय्यूब भजन संहिता नीति वचन सभोपदेशक श्रेष्ठगीत

उत्तर ११३

(क) रोमियों तथा गलतियों

पौलुस प्रेरित के पत्र

जब पौलुस प्रचार करने के कारण बन्दी-गृह में डाला गया तो उसने वहाँ पर इफिसियों, फिलिप्पियों, तथा कुलुस्सियों के पत्र लिखे। ये बन्दीगृह में लिखे गए पत्र मसीही जीवन के विषय में हैं।

उत्तर १७४

(ख) बाइबल कभी पुराना नहीं हो सकता क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है।

स्थिरता

फ्रान्स निवासी वोलटायर ने यह घोषणा की थी कि १०० वर्ष के अन्दर उसकी पुस्तकें हर जगह पर पढ़ी जाएंगी जबकि बाइबल केवल संग्रहालयों में रखी मिलेगी।

प्रमुख भविष्यद्वक्ता	सामान्य भविष्यद्वक्ता
यशायाह यिर्मयाह विलापगीत यहेजकेल दानिय्येल	होशे योएल आमोस ओबद्याह योना मीका नहूम हबक्कूक सपन्याह हाग्गै जकर्याह मलाकी

प्रश्न ११४

मसीही जीवन के विषय जेल से तीन सुन्दर पत्र कलीसियाओं को भेजे गए हैं। वे हैं :

(क) रोमियों, १ तथा २ कुरिन्थियों

(ख) गलतियों, १ तथा २ थिस्सलुनीकियों

(ग) इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों

(घ) मत्ती, मरकुस, लूका

प्रश्न १७५

फ्रान्स निवासी नास्तिक वोलटायर ने कहा था कि बाइबल

(क) आने वाले १०० वर्षों में दिन ब दिन और अधिक प्रचलित होती जाएगी ।

(ख) १०० वर्षों के अन्दर केवल संग्रहालयों में मिलेगी ।

पुराना नियम

उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती तथा व्यवस्था विवरण (व्यवस्था की पुस्तकें) पैन्टेटूक कहलाती हैं, जिनका अर्थ है 'पांच पुस्तकें।"

उत्तर ११४

(ग) इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों

पौलुस प्रेरित के पत्र

थिस्सलुनीकियों के दोनों पत्र प्रभु यीशु के दूसरे आगमन से पूर्व होने वाली बातों का उल्लेख करते हैं। प्रभु यीशु के आगमन के विषय में १ थिस्सलुनीकियों ४:१३-१८ पढ़ें।

उत्तर १७५

(ख) १०० वर्षों के अन्दर केवल संग्रहालयों में मिलेगी।

स्थिरता

१०० वर्षों के अन्दर बाइबल पहले की अपेक्षा कहीं अधिक पढ़ी जाने लगी हैं।

प्रश्न ५४

उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती तथा व्यवस्था विवरण, यानी बाइबल की पहली पांच पुस्तकों को क्या कहते हैं ?

(क) पैन्टिकुस्त

(ख) पैन्टागॉन

(ग) पैन्टेटूक

प्रश्न ११५

कलिसियाओं को पौलुस प्रेरित के लिखे गए पत्र ये हैं :

रो..... फि.....

१ कु..... कु.....

२कु..... १ थि.....

ग..... २ थि.....

इ.....

प्रश्न १७६

आधुनिक समय में आप किस को अधिक प्रसिद्ध कहेंगे ?

(क) बाइबल जिसको इस समय १,३०० भाषाओं में पढ़ा जा रहा है।

(ख) वोलटायर की रचनाएं जो बहुत से पुस्तकालयों में रखी हैं।

उत्तर ५४	पैन्टेटूक
(ग) पैन्टेटूक	"पैन्टेटूक" मसा के द्वारा लिखी गई जो एक महान अगुवा तथा इब्रानियों को दासता से मुक्त कराने हारा था । इस कारण अक्सर हम इन्हें "मूसा की पांच पुस्तकें" भी कहते हैं ।
उत्तर ११५	**पौलुस प्रेरित के पत्र**
रोमियों, १ तथा २ कुरिन्थियों. गलतियों, इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों, १ तथा २ थिस्सलुनीकियों ।	पौलुस प्रेरित के चार पत्र व्यक्तिगत हैं : तीमुथियुस को लिखे गए दो पत्र, और तितुस तथा फिलेमोन को लिखा गया एक एक पत्र । पहले तीन मंडलियों के अगुवों के कार्यों के विषय बताते हैं ।
उत्तर १७६	**स्थिरता**
(क) बाइबल जिसको इस समय १,३०० भाषाओं में पढ़ा जा रहा है ।	अनेकों राजाओं ने प्रत्येक बाइबल को नष्ट करने का विचार किया और इसके पढ़ने वालों को मृत्यु दण्ड भी दिया । आलोचकों ने भी इस पर बहुत हमले बोले । परन्तु बाइबल अपने सब शत्रुओं पर विजयी रही ।

प्रश्न ५५

उत्पति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती तथा व्यवस्थाविवरण की पुस्तकें किसने लिखीं ?

(क) विजेता यहोशू ने

(ख) प्रेरित पौलुस ने

(ग) प्रिय चिकित्सक लूका ने

(घ) अगुवा मूसा ने

प्रश्न ११६

तीमुथियुस तथा तितुस पौलुस के दो युवा सहायक थे जिनको उसने अगुवा संबन्धी पत्र लिखे । उन पत्रों का सार था :

(क) अगुवा के चरित्र और कार्य

(ख) विश्वास द्वारा धर्मी ठहराया जाना

(ग) प्रभु यीशु का आगमन

कार्य १७७

कंठस्थ करें :

"क्योंकि हर एक प्राणी घास की नाईं है, और उसकी सारी शोभा घास के फूल की नाईं है : घास सूख जाती है, फूल झड़ जाता है परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहेगा ।"

१ पतरस १:२४, २५

उत्तर ५५

(घ) अगुवा मूसा ने

व्यवस्था की पुस्तकें

"उत्पत्ति" शब्द का अर्थ है "आदि" या "मूल"। उत्पत्ति से हमें मनुष्य, संसार, पाप, तथा उद्धार के मूल का ज्ञान होता है।

उत्तर ११६

(क) अगुआ के चरित्र तथा कार्य।

पौलुस प्ररित के पत्र

पौलुस ने मसीही विश्वास के लिये सिर काटे जाने से पहले तीमुथियुस के नाम अपना अन्तिम पत्र लिखते हुए कहा कि वह परमेश्वर के कार्य के लिये विश्वासी रहे। २ तीमुथियुस ४:५–८ को पढ़ें।

स्थिरता

बाइबल काल के प्रभाव, आलोचकों के आक्रमणों तथा पूर्णतया नष्ट किये जाने की सभी घटनाओं के बाद भी स्थिर रही है। क्यों? इसलिये कि यह परमेश्वर का वचन है।

प्रश्न ५६

इनमें से कौन सी पुस्तक के शीर्षक का अर्थ आदि या प्रारम्भ से है ?

(क) उत्पत्ति
(ख) निर्गमन
(ग) लैव्यव्यवस्था
(घ) गिनती
(ङ) व्यवस्थाविवरण

प्रश्न ११७

अपने कत्ल किये जाने से पहले पौलुस ने कौन सा व्यक्तिगत पत्र लिखा ?

(क) १ तीमुथियुस
(ख) २ तीमुथियुस
(ग) तितुस
(घ) फिलेमोन

प्रश्न १७८

नौ बाइबल के प्रेरणा युक्त होने के प्रमाण रिक्त स्थानों में लिख लें :

प्र .....
वि .....
वु .....
खो .....
श्रे .....
ले .....
भ .....
अ .....
स्थि .....

उत्तर ५६

(क) उत्पत्ति

व्यवस्था की पुस्तकें

"निर्गमन" का अर्थ है "बाहर निकलना"। यह बताती है कि किस तरह से परमेश्वर के लोग मिस्र की दासता से बाहर निकले। निर्गमन को बाइबल में निकालें।

उत्तर ११७

(ख) २ तीमुथियुस

पौलुस प्रेरित के पत्र

उनेसिमुस फिलेमोन का भागा हुआ दास था। वह पौलुस के साथ बंदिगृह में बचा। पौलुस ने फिलेमोन को लिखा कि वह उनेसिमुस को क्षमा कर दे और उसे मसीह में अपने भाई के रूप में स्वीकार कर ले।

उत्तर १७८

अपने उत्तर को पृष्ठ ४३ के १३६ कार्य से मिला लें।

प्रमाण

बाइबल के प्रेरणा युक्त होने के और भी प्रमाण हैं, परन्तु इसको स्वीकार करने के लिये कि बाइबल परमेश्वर का वचन है इतना ही काफ़ी हैं। हम अपने जीवन को इसकी शिक्षाओं पर आधारित कर सकते हैं।

प्रश्न ५७

पैन्टेटूक की कौन सी पुस्तक इस्राएलियों के मिस्र देश से बाहर निकलने की चर्चा करती है ?

(क) उत्पत्ति
(ख) निर्गमन
(ग) लैव्यव्यवस्था
(घ) गिनती
(ङ) व्यवस्थाविवरण

प्रश्न ११८

पौलुस के चार व्यक्तिगत पत्रों के नाम लिखें जो मित्रों को लिखे गए । बन्दी गृह से भागे हुए दास के विषय लिखे गये पत्र को रेखांकित कर दें ।

कार्य १७६

१. स्मृति से बाइबल के प्रेरणा-युक्त होने के नौ प्रमाण लिखें ।

२. अपने अध्यापक को चाहे वह स्थानीय हों या पत्र-व्यवहार के किसी विद्यालय में हो एक छोटा पत्र लिखें तथा उसमें इस पुस्तक से मिले लाभ की चर्चा करें । यदि आपके पास पूछने को कुछ प्रश्न अथवा प्रार्थना के लिये अनुरोध हों तो उनको भी पत्र में लिख दें ।

उत्तर संख्या ५७ के लिये पृष्ठ ८ पर वापिस जाएं और मध्य भाग से पुस्तक का अध्ययन प्रारम्भ करें।

पृष्ठ ८ पर उत्तर संख्या ११८ के लिये वापिस जाएं।

इन अध्यायों को समाप्त कर लेने के लिये आपको बधाई। अपना प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये अपने छात्र-विवरण पर जो अध्याय ७ के लिये दिये गये निर्देशों का पालन करके कुल छात्र विवरण पृष्ठ १ पर दिये गये पते पर भेजें।